

## विचार बिन्दु

निरन्तर बदलने की इच्छा रखना एक ताकत होती है, चाहे इसकी वजह से कंपनी का एक बड़ा हिस्सा कुछ देर के लिए पूरी तरह से अव्यवस्थित क्यों ना हो जाए। —जैक वेल्स

# परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में देश का बड़ा कदम

इस माह के पहले हफ्ते में भारत ने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जब तमिलनाडु के कल्पक्कम में 500 मेगावाट के फास्ट ब्रोडर रिएक्टर के प्रोटीटाइप ने सफलतापूर्वक पहली क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। इसका अर्थ है कि इस संयंत्र में परमाणु के लगातार चल सकने वाली नियंत्रित विखंडन श्रृंखला की शुरुआत हुई है। देश में दीर्घकालिक

ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। यह उपलब्धि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की सभी शर्तों को पूरा करने के बाद मिली, जिसने संयंत्र प्रणालियों की सुरक्षा की गहन समीक्षा के बाद इसे मंजूरी मिली थी। हमारे लिये गर्व की बात यह है कि फास्ट ब्रोडर रिएक्टर प्रोटीटाइप का प्रौद्योगिकी विकास और डिजाइन परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसंधान और विकास केंद्र इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में स्वदेशी रूप से हुआ है। इसका निर्माण और चालू करने का कार्य परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उन्नत भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने किया है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फास्ट ब्रोडर रिएक्टर भारत की दीर्घकालिक परमाणु रणनीति की आधारशिला है। पारंपरिक धर्मल रिएक्टरों के विपरीत, यह प्रोटीटाइप यूरेनियम और प्लूटोनियम के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। इस संयंत्र का अंदरूनी कोर हिस्सा यूरेनियम-238 की एक परत से घिरा होता है। तीव्र न्यूट्रॉन, यूरेनियम-238 को विखंडनीय प्लूटोनियम-239 में परिवर्तित कर देते हैं, जिससे रिएक्टर अपनी ईंधन की खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करने में सक्षम हो जाता है। इस रिएक्टर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि भविष्य में इसकी परत में थोरियम-232 का उपयोग किया जा सके। ट्रांसयूटेनशन की प्रक्रिया के माध्यम से, थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाएगा, जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए ईंधन का काम करेगा। यह अद्वितीय क्षमता परमाणु ईंधन संसाधनों के अभाव को काफी हद तक बढ़ा देती है और देश को अपने सीमित थोरियम भंडारों से कहीं अधिक ऊर्जा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, साथ ही भविष्य में देश में उपलब्ध थोरियम के भंडारों का बड़े पैमाने पर उपयोग करने के लिए भी तैयार करती है। पहली क्रिटिकैलिटी हासिल करने के साथ ही, भारत अपने तीन-चरण वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की पूर्ण क्षमता को साकार करने के और कदम पहुंच गया है। फास्ट ब्रोडर टेक्नोलॉजी, प्रेरणित ईंधन वॉटर रिएक्टरों के मौजूदा इकाइयों और भविष्य में थोरियम-आधारित रिएक्टरों की तैयारी के बीच एक ज़रूरी पुल का काम करेगी और देश के प्रचुर थोरियम संसाधनों का इस्तेमाल करके लंबे समय तक स्वच्छ ऊर्जा पैदा करने में मदद करेगी। यह उपलब्धि भारत के स्वदेशी डिजाइन, इंजीनियरिंग और मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम की ताकत को दर्शाती है। इस रिएक्टर में उन्नत सुरक्षा प्रणालियाँ, उच्च-तापमान वाली लिक्विड सोडियम कुलेट टेक्नोलॉजी और एक क्लोज्ड फ्यूएल साइकिल की समझ शामिल है। यह समझ परमाणु सामग्री की रिसाइक्लिंग को संभव बनाएगी, जिससे स्थिरता बढ़ेगी है और परमाणु कचरा कम होगा।

यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिएक्टर के डिजाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। ऊर्जा उत्पादन से परे, फास्ट ब्रोडर कार्यक्रम परमाणु ईंधन चक्र टेक्नोलॉजी, उन्नत सामग्री, रिएक्टर भौतिकी और बड़े पैमाने की इंजीनियरिंग में रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विकसित ज्ञान और बुनियादी ढांचा भविष्य के रिएक्टर डिजाइनों और अगली पीढ़ी की परमाणु टेक्नोलॉजी विकसित करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, फास्ट ब्रोडर रिएक्टर उच्च तापीय दक्षता के साथ विश्वसनीय, कम-कार्बन और बेस-लोड बिजली प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसलिए फास्ट क्रिटिकैलिटी की उपलब्धि न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है, बल्कि विकसित भारत के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ और सबसे भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों में से एक मानी जाती है। जो तकनीक

आजकल सबका ध्यान खींच रही है, वह है थोरियम रिएक्टर।

परंपरिक यूरेनियम-आधारित प्रणालियों के मुकाबले थोरियम रिएक्टरों को कई देश भविष्य के स्वच्छ ऊर्जा मिश्रण के हिस्से के तौर पर देख रहे हैं क्योंकि इसे एक सुरक्षित और अधिक प्रचुर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। थोरियम रिएक्टर की कार्यप्रणाली को समझने के लिए, सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि थोरियम को सीधे ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। इसके बजाय, रिएक्टर में परमाणु विखंडन प्रक्रिया का उपयोग करके थोरियम-232 को यूरेनियम-233 के ईंधन में परिवर्तित किया जाता है। यह परिवर्तन रिएक्टर के अंदर न्यूट्रॉन की सहायता से होता है, जिससे एक नियंत्रित श्रृंखला अभिक्रिया शुरू होती है और ऊर्जा उत्पन्न होती है। थोरियम रिएक्टर की

कार्यप्रणाली को यू समझ सकते हैं कि पहले चरण में थोरियम को थोड़ी मात्रा में यूरेनियम या प्लूटोनियम के साथ रिएक्टर कोर में डाला जाता है। यह प्रारंभिक ईंधन न्यूट्रॉन उत्सर्जित करता है जो थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित करने में सहायता करते हैं, जो बाद में मुख्य ईंधन बन जाता है। दूसरे चरण में थोरियम-232 एक न्यूट्रॉन को अवशोषित करता है और रेडियोधर्मी क्षय के माध्यम से थोरियम-233 में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रक्रिया में थोरियम-233 नाभिकीय अभिक्रिया को कुशलतापूर्वक बनाए रख सकता है। तीसरे चरण में जब यूरेनियम-233 के परमाणुओं पर न्यूट्रॉन टकराते हैं, तो उनमें विखंडन होता है, जिससे भारी मात्रा में ऊष्मा निकलती है। इस ऊष्मा का उपयोग भाप बनाने के लिए किया जाता है, जो टर्बाइनों को चलाकर बिजली पैदा करती है। चौथे चरण में रिएक्टर में पैदा हुई गर्मी को सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया जाता है। कई डिजाइन, जैसे कि मोल्टेन सॉल्ट रिएक्टर, कम दबाव पर काम करते हैं और उनमें सुरक्षा के लिए अतिरिक्त विशेषताएं होती हैं, जिससे मेल्टाडॉउन का जोखिम कम हो जाता है। वर्ना गर्मी इतनी होती है कि खुद रिएक्टर ही गल जाए पांच घंटे चरण में थोरियम रिएक्टर कम समय तक रेडियोधर्मी रहने वाला अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। हालांकि यह अभी भी खतरनाक है, लेकिन अपशिष्ट कम समय तक रेडियोधर्मी रहता है, जिससे इसका प्रबंधन और भंडारण आसान हो जाता है। भारत और चीन जैसे देश अपने विशाल थोरियम भंडारों और बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के कारण थोरियम-आधारित तकनीकों पर सक्रिय रूप से शोध कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ बिजली उत्पादन में यह तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। भारत में थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। भारत के पास यूरेनियम की तुलना में थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है, खासकर केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के तटीय इलाकों में। इसी कारण भारत ने थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा ने की थी। भारत ने थोरियम के उपयोग के लिए 3-स्टेज न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाया है जिसमें पहला चरण प्रेरणित यूरेनियम रिएक्टर का है जिसमें यूरेनियम-238 ईंधन से प्लूटोनियम-239 बनाया जाता है। दूसरे चरण में फास्ट ब्रोडर रिएक्टर प्लूटोनियम का उपयोग करके अधिक ईंधन (यूरेनियम-233) बनाता है। यह चरण थोरियम उपयोग की तैयारी करता है। कल्पक्कम फास्ट ब्रोडर रिएक्टर इस चरण का प्रमुख प्रोजेक्ट है। इसके आगे तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टर थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में बदलेगा। यही भविष्य का लक्ष्य है। इस प्रमुख थोरियम आधारित प्रोजेक्ट में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा एडवांस हेवी वाटर रिएक्टर विकसित किया जा रहा है जिसमें थोरियम और यूरेनियम-233 को मिलाकर ईंधन बनाया जाएगा। इसकी विशेषता यह है कि वह अधिक सुरक्षित है तथा कम रेडियोधर्मी कचरा पैदा करता है। लंबे समय तक ऊर्जा उत्पादन के लिये थोरियम के अनेक फायदे गिनाए जाते हैं। सबसे बड़ा फायदा तो यह कि थोरियम भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है जो अधिक सुरक्षित और कम जोखिम वाला इसलिए है कि वह कम परमाणु कचरा उत्पन्न करता है और देश के लिये दीर्घकालिक ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराता है। लेकिन इसकी चुनौतियाँ भी हैं। यह तकनीक अभी विकास के चरण में है। यूरेनियम-233 का उत्पादन इतल होता है जिसे भारतीय वैज्ञानिक अपनी मेधा से प्राप्त पा रहे हैं। इस प्रौद्योगिकी की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, लेकिन यदि यह सफलता पूर्वक हासिल कर ली जाती है तो बाद में दीर्घ काल तक मुनाफा देने वाली साबित होती है। यह भी सही है कि अभी यह प्रौद्योगिकी विकास के चरण में है और इसका वाणिज्यिक स्तर पर उपयोग अभी दूर तक हासिल नहीं किया जा सका है। वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो भारत अभी इस तकनीक के दूसरे चरण पर काम कर रहा है। थोरियम आधारित रिएक्टर तीसरा चरण होगा जिस पर अनुसंधान जारी है। इसलिए नई तकनीक से बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन का लक्ष्य अभी दूर है। मगर भारत का थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि यह सफल होता है, तो भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है।

—अतिथि संपादक, राजेन्द्र बोड़ा (वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

हमारे समाज में एक गहरा और चिंताजनक विरोधाभास मौजूद है। एक ओर हम चिकित्सक को भावाना का रूप कहकर सम्मानित करते हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवहार में उसी चिकित्सक के श्रम, ज्ञान और समय का मूल्य देने से बचते हैं। यह विरोधाभास केवल शब्दों और व्यवहार का अंतर नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जिसमें हम सेवा और पेशेवर मूल्य के बीच का अंतर समझने में असफल रहते हैं।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि एक डॉक्टर बना किसी सामान्य डिग्री हासिल करने जैसा नहीं है। यह एक लंबी, कठिन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक यात्रा है, जिसमें 15 से 20 वर्षों तक लगातार अध्ययन, प्रशिक्षण और मानसिक दबाव शामिल होता है। एक छात्र को सबसे पहले एनईईटी जैसी कठिन परीक्षा को पास करना होता है, जिसमें लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं, लेकिन सीटें सीमित होती हैं। इसके बाद एसबीबीए की 5.5 वर्षों की पढ़ाई, जिसमें थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटरशिप शामिल होती है। लेकिन यही समाप्त नहीं होती। एक सामान्य डॉक्टर बनने के बाद भी यदि कोई विशेषज्ञ बनना चाहता है, तो उसे पीजी (एमडी/एमएस) करना पड़ता है, जिसके लिए फिर से कठिन प्रतियोगिता का सामना करना होता है। इसके बाद भी कई डॉक्टर सुपर-स्पेशलाइजेशन (डीएम/एमसीएच) करते हैं, जिससे उनकी कुल तैयारी का समय 15-20 वर्ष तक पहुँच जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में केवल समय ही नहीं, बल्कि आर्थिक निवेश भी अत्यधिक होता है। सरकारी कॉलेज में पढ़ाई करने वाले छात्रों को कुछ राहत मिलती है, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुँच जाती है। कई परिवार अपने जीवनभर की बचत, जमीन-जायदाद, या कर्ज लेकर अपने बच्चों को डॉक्टर बनाते हैं।

यह निवेश केवल पैसे का नहीं होता - यह समय, मानसिक शांति, सामाजिक जीवन और स्वास्थ्य के

त्याग का निवेश होता है। अब प्रश्न यह उठता है कि इतने बड़े त्याग और निवेश के बाद जब वही व्यक्ति डॉक्टर बनकर समाज के सामने आता है, तो क्या उसे वह सम्मान मिलता है जिसका वह अधिकारी है? वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। समाज के कई वर्ग डॉक्टर को सेवा प्रदाता के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उसे एक पेशेवर के रूप में स्वीकार करने में संकोच करते हैं। मोहल्ले का किराने वाला डॉक्टर से हर वस्तु का पूरा पैसा लेता है, लेकिन डॉक्टर से मुफ्त में सलाह लेना अपना अधिकार समझता है। ट्यूबूशन पढ़ाने वाला शिक्षक अपनी फीस पूरी लेता है, लेकिन डॉक्टर को देवदार का अंतर नहीं है। यहाँ तक कि कई बार घर के कर्मचारी, परिचित और रिश्तेदार भी यही अपेक्षा रखते हैं कि डॉक्टर उनके लिए बिना शुल्क के उपलब्ध रहे। यह मानसिकता केवल आर्थिक असंतुलन नहीं दर्शाती, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि हम डॉक्टर के ज्ञान और समय का मूल्य नहीं समझते।

हर व्यक्ति डॉक्टर से लाभ लेना चाहता है, लेकिन उनके ज्ञान का मूल्य देने को तैयार नहीं होता। विडम्बना यही समाप्त नहीं होती। जब डॉक्टर स्वयं किसी अन्य सेवा क्षेत्र में जाता है - चाहे वह वकील हो, इंजीनियर हो, दुकानदार हो या कोई अन्य पेशेवर - तो उनसे पूरा शुल्क लिया जाता है, कई बार अधिक भी। अर्थात्, समाज को डॉक्टर से सेवा तो चाहिए, लेकिन मुफ्त में! लेकिन डॉक्टर को कोई भी सर्विस या सामान बेचने वालों को पूरा पैसा चाहिए और उन्हें भी पेशेवर मानने में संकोच करते हैं। हम यह नहीं सोचते कि हमारे यहाँ जो रिपेरिंग सर्विस वाले लोग आते हैं वो एक विजित का हज़ार रूपए तक चार्ज करते हैं लेकिन हमें डॉक्टर को पाँच सौ रूपए की फीस देने में तकलीफ होती है। हमें हमारी यही सोच बदलनी होगी। जबकि दोनों की कार्यकुशलता की तुलना अकल्पनीय है।

स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब कोई आपातकालीन परिस्थिति उत्पन्न होती है। डॉक्टर अपनी पूरी क्षमता, अनुभव और ज्ञान का उपयोग करते हुए मरीज को बचाने का प्रयास करता है। लेकिन यदि परिणाम अनुकूल नहीं आता, तो वही डॉक्टर अचानक लापरवाह, लुटेरा या अव्ययी घोषित कर दिया जाता है। क्या यह किसी अन्य पेशे में देखने को मिलता है? क्या किसी वकील के केस हारने पर उसके साथ हिंसा होती है? क्या किसी इंजीनियर की गलती पर

वह सूरज को रोक नहीं पाता...! थककर जो सो जाता है आज, कल फिर चमकने आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

## नया सवेरा

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

हामर - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!